जो उत्पादन को कम से कम दुगुना करने में सक्षम हैं, बशर्ते उनको खेती की समुचित स्थितियां मिलें ।

(घ) तिलहनों का उत्पादन बढ़ाने के लिये देश में एक केन्द्रीय प्रायोजित राष्ट्रीय तिलहन विकास परियोजना पहले ही चला रही है । इसके अतिरिक्त, तिलहन उगाने वाले महत्वपूर्ण 14 राज्यों के लिये 1987 की खरीफ के वास्ते तिलहन उत्पादन को आगे बढ़ाने की परियोजना मंजूर की गई है ।

बासमती चावल का उत्पादन

759. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश में बासमती चावल का क्षेत्रवार उत्पादन कितना हुआ और देश से कितनी मात्रा में चावल का निर्यात किया गया;

(ख) क्या यह सच है कि देश में बासमती चावल का उत्पादन कम हो रहा है और उसकी गुणवत्ता, विशेष रूप से इसकी खुशबू कम हो गयी है, यदि हां, तो इसकी उपज बढ़ाने की विशिष्ट योजना क्या है ; और

(ग) क्या यह सच है कि बासमती चावल के निर्यात के लिए निर्धारित की गयी सीमा के कारण बासमती के बजाय चावल की अन्य किस्मों का निर्यात किया जा रहा है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) :
(क) कृषि सांख्यिकी एकत्र करने की वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत बासमती चावल के क्षेत्र और उत्पादन के संबंध में पृथक सांख्यिकी एकत्र किए जाने की कोई व्यवस्था नहीं है । निम्नलिखित तालिका में वर्ष 1984–85, 1985–86 और 1986–87 के दौरान बासमती चावल और गैर बासमती चावल के निर्यात की मात्रा दर्शायी गई है ।

वर्ष	मात्रा (मीटरी टन में)	
	बासमती चावल	गैर बासमती चावल
1984–85	241785	निर्यात की अनुमति नहीं दी गई ।
1985–86 (अनंतिम)	235213	कोई निर्यात नहीं
1986–87 (अनंतिम)	237153	2689

(ख) जहां तक, बासमती चावल की क्वालिटी का संबंध है, जब तक बासमती उगाए जाने वाले पारम्परिक क्षेत्रों में यह सफल उगाई जाती रहेगी, इसकी गुणवत्ता में कमी होने की कोई सम्भावना नहीं है । बासमती क्वालिटियों को मिलाकर अधिक उत्पादन देने वाली बौनी किस्में विकसित करके और पारम्परिक बासमती किस्मों के पौधों की किस्म में आनुवंशिक रूप से परिवर्तन द्वारा उसकी उपज में वृद्धि करके, पैदावार बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं ।

(ग) बासमती चावल के निर्यात पर मात्रा संबंधी कोई अधिकतम सीमा नहीं लगाई गई है । बासमती चावल का निर्यात करने से पूर्व जहाज पर इसकी लदान से पहले निरीक्षण किया जाना अनिवार्य है, इसलिए निरीक्षक संगठन जैसे एगमार्क प्राधिकारी तथा निर्यात निरीक्षण एजेंसियां बासमती चावल के निर्यात से पहले जहाज पर लदान पूर्व निरीक्षण करती हैं ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा बीजों का विकास

760. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि अनुसंधान